



III Semester B.Com./M.B.S./B.C.H.N./B.C.L.S./B.C.S.P./B.C.T.T.

Degree Examination, March/April- 2022

HINDI

Natak, Sarkari Patra Aur Sankshepan
(CBCS Scheme Repeaters 2018-19 Onwards)

Time : 3 Hours

Maximum Marks : 70

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द या वाक्य में लिखिए:- (10×1=10)

- 1) कोलंबस किस देश का था?
- 2) पहला अंग्रेजी जहाज का नाम क्या था?
- 3) आज़ाद हिन्द फौज का गठन किस ने किया था?
- 4) औरंगजेब की मृत्यु कब हुई थी?
- 5) भगतसिंह ने कहाँ बम फेंका था?
- 6) ब्रह्म समाज की स्थापना किसने की?
- 7) पुर्तगाल की राजधानी कौन-सी थी?
- 8) कसान हाकिन्स ने आगरा में किस मुगल सम्राट से भेंट की?
- 9) 'अलख आज़ादी की' नाटक के नाटककार कौन है?
- 10) भारत कब आज़ाद हुआ?

II. निम्नलिखित में से किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या किजिए:- (2×6=12)

- 1) “थैंक्स गॉड! महारानी एलिजाबेथ ने हमारे सभी प्रस्तावों को मानकर इंडिया में बिजनेस करने के लिए ईस्ट इंडिया कंपनी बनाने का परमीशन दे दिया।”
- 2) “जो काम बुलेट नहीं कर सकती, वह बुलेटिन करती है।”
- 3) “हम आपके मुरीद हो गए हैं और आपसे राजनैतिक तथा व्यापारिक रिश्ते बनाने की ख्वाहिश रखते हैं।”
- 4) “मेरे बदन पर पड़ी लाठी की एक-एक चोट ब्रिटिश साम्राज्य के कफन की कील होगी।”

III. 'अनन्द आजादी की' नाटक का मारांश लिखिए उपर्युक्त विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

(1×12=12)

(अथवा)

'अनन्द आजादी की' नाटक के शीर्षक की सार्थकता को घटू कीजिए।

IV. किसी एक विषय पर टिप्पणी लिखिए:

(1×6=6)

- 1) बहादुरशाह जफर
- 2) कसान हाकिम

V. पत्र लिखिए (कोई दो):-

(2×10=20)

- 1) श्री के.आर. गणपति आई.ए.एस सचिव भारत सरकार केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय नई दिल्ली की ओर से, शिक्षा संचालक कर्नाटक राज्य बेंगलूरु को स्वैच्छिक हिन्दी सेवी संस्थाओं को अनुदान देने का प्रस्ताव रखते हुए सामान्य सरकारी पत्र लिखिए।
- 2) उपसचिव, गृहमंत्रालय भारत सरकार की ओर से सभी राज्यों के मुख्य सचिवों को आतंकवाद को रोकने के लिए ठोस उपाय करने की सूचना देते हुए एक परिपत्र लिखिए।
- 3) जिलाधीश कानपुर की ओर से पुलिस अधीक्षक, कानपुर को एक अर्द्ध सरकारी पत्र लिखिए, जिसमें नगर में प्रधानमंत्री के आगमन पर उचित सुरक्षा व्यवस्था करने की सूचना दी गई हो।

VI. निम्नलिखित गद्यांश का उचित शीर्षक देते हुए एक तिहाई शब्दों में संक्षेपण कीजिए:- (1×10=10)

विद्यार्थी जीवन भावी जीवन की आधारशिला है। अधारशिला यदि दृढ़ हो तो उस पर बना हुआ भवन भी निश्चित ही मज़बूत होगा। इसी प्रकार यदि विद्यार्थी जीवन परिश्रम, अनुशासन, संयम और नियमन में व्यतीत हुआ है तो निश्चय ही उसका भावी जीवन सुखद, सुन्दर और परिवार, समाज तथा देश के लिए कल्याणकारी सिद्ध होगा, विद्यार्थी राष्ट्र के कर्णधार होते हैं। उन्हीं पर देश की उन्नति और अवनति आधारित रहती है। परिश्रम छात्र-जीवन का भूषण होता है। वे मानसिक श्रम तो करते ही हैं, शारिरिक श्रम भी करते हैं क्यों कि खेलकूद मानसिक और शारिरिक ताजगी प्रदान करने के साथ-साथ इच्छा शक्ति दृढ़ करने तथा हार-जीत की भावना को उचित मार्गदर्शक देकर सन्तुलित व्यक्तित्व विकास में सहयोग प्रदान करते हैं। इस प्रकार आदर्श विद्यार्थी अपने शिक्षक, परिवार एवं समाज में लोकप्रिय होते हैं। और साथ ही देश की अमूल्य नीथि भी बनते हैं।